केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 206 बुधवार 19 फरवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

बजट सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री योगी ने किया सपा पर तीखा हमला

लखनऊ (आभा)। यूपी विधानसभा के बजट सत्र के पहले ही दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला किया। सीएम योगी ने कहा कि समाजवादियों का दोहरा चरित्र है। ये लोग अपने बच्चों को अंग्रेजी स्कूल में पढ़ाते हैं और दूसरों के बच्चों को बोलेंगे कि गांव के उस स्कूल में पढ़ें जहां संसाधन ही नहीं है। सरकार चाहती है कि सभी बच्चे अच्छे से पढ़ाई करें लेकिन यह लोग कहते हैं उर्दू पढ़ाओ। यह लोग बच्चों को मौलवी बनाना चाहते हैं, बच्चों को कठमुल्ला बनाना चाहते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि समाजवादियों का दोहरा आचरण है। वे अपने बच्चों को अंग्रेजी स्कूलों में भेजेंगे और यहां अंग्रेजी का विरोध करेंगे। इस प्रकार के विरोध की निंदा होनी चाहिए। योगी ने यह भी आरोप लगाया कि ये लोग उर्दू पढ़ाकर (दूसरे के बच्चों को) मौलवी बनाना चाहते हैं, देश को कठमुल्लापन की तरफ ले जाना चाहते हैं, यह कतई स्वीकार नहीं होगा। दरअसल विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने दोपहर बाद सदन में जानकारी दी कि मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) के आदेश से क्षेत्रीय भाषाओं का सम्मान बढ़ाने के लिए एक पहल की गयी है। महाना के अनुसार, इस पहल के तहत सदस्य जिस भाषा में बोलेंगे वह चौनल नंबर जीरो पर सामान्य रूप में आएगी और फिर एक नंबर पर अवधी, दो नंबर पर भोजपुरी, तीन नंबर पर ब्रज, चार नंबर पर बुंदेली और पांचवें नंबर पर अंग्रेजी भाषा में अनुवादित बात सुनाई देगी। महाना ने कहा कि अब विधानसभा की कार्यवाही हिंदी के साथ ही अंग्रेजी, भोजपुरी, ब्रज, बुंदेलखंडी और अंग्रेजी में भी सुनी जा सकेगी। इस पर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने आपत्ति जताते हुए कहा कि इस विधानसभा में अंग्रेजी का प्रयोग करना न्यायोचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि अंग्रेजी को आगे करके हिंदी को कमजोर किया जा रहा है। पांडेय ने यह सुझाव भी दिया कि आप अगर विधानसभा में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग कर रहे हैं तो उर्दू भी कर दीजिए। इसी को लेकर योगी भड़क गए थे। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की स्थानीय बोलियों अवधी, भोजपुरी, ब्रज, बुंदेलखंडी को विधानसभा की कार्यवाही में स्थान देने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इन बोलियों को हिंदी की उपभाषा मानते हुए सरकार इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है।

महाकुंभ को भव्य बताना मरने वालों का अपमान

लखनऊ (आभा)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राज्यपाल के अभिभाषण की आलोचना करते हुए मंगलवार को कहा कि महाकुंभ में घोर अव्यवस्था को शदिव्य भव्य व्यवस्थाश का नाम देकर उन तमाम श्रद्धालुओं का अपमान किया

गया है जिनकी जान सरकारी शकुव्यवस्थाश ने ले ली हैं। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को बजट सत्र के पहले दिन विधानमंडल (विधानसभा और विधान परिषद) के दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि मेरी सरकार को इस वर्ष दिव्य एवं भव्य महाकुंभ आयोजन का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। महाकुंभ–2025 में स्वच्छता, सुरक्षा तथा सुव्यवस्था के नये मानक गढ़े हैं। महाकुंभ में आस्था एवं आधुनिकता का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है।

सपा मुख्यालय से मंगलवार को जारी एक बयान के अनुसार, यादव ने राज्य विधान मंडल में राज्यपाल के अभिभाषण को सच्चाई से कोसों दूर बताते हुए कहा कि यह नीरस और निराशाजनक है।

एक नजर

31 मार्च तक धारा 163 लागू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । अपर जिला मजिस्ट्रेट ने पूरे जनपद में तत्काल प्रभाव से 31 मार्च 2025 तक धारा 163 का प्रतिबंधात्मक आदेश लागू कर दिया है। इस संबंध में उन्होने बताया कि विभिन्न त्यौहार एवं परीक्षाए होनी है, यथा 24 फरवरी से 24 मार्च तक हाईस्कूल/इण्टरमीडिएट की संयुक्त परीक्षा, 26 फरवरी को महा शिवरात्रि, 13 मार्च को होलिका दहन, 14 मार्च को होली, 28 मार्च को जमात–उल–विदा/रमजान, 30 मार्च को चेटीचन्द्र व 31 मार्च को ईद–उल–फितर का त्यौहार है।

उन्होने बताया कि जनपद में होने वाली विभिन्न परीक्षाओं को नकलविहीन, सकुशल एवं शान्तिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत शान्ति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था चुस्त–दुरूस्त रखने के लिए धारा–163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 के अन्तर्गत ये आदेश लागू किए गये है।

बार्षिकोत्सव का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

संतकबीर नगर । पौली। कमपोजिट विद्यालय बछईपुर में मंगलवार को शारदा संगोष्ठी एवं वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया।उक्त कार्यक्रम में शत् प्रतिशत उपस्थिति वाले बच्चों व अभिभावकों को पुरस्कृत किया गया।

राज्य पुरस्कार प्राप्त विनोद कुमार पाण्डेय ने बताया कि विद्यालय में अभिभावकों को आमंत्रित कर उन्हें अपने बच्चों को प्रतिदिन स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया गया।साथ ही साथ बच्चों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया गया। शत् प्रतिशत उपस्थिति देने वाले कुल 159 नामांकन के सापेक्ष 91 बच्चों को उनके अभिभावकों के साथ सम्मानित किया गया।उक्त कार्यक्रम में ऋषिशंकर, देवीचरन,धर्मेंद्र,रमेश,अमन,सुमित्रा देवी, प्रेमा,माधुरी,पुष्पा सहित भारी संख्या में अभिभावक व बच्चे उपस्थित रहे।

बांझपन निवारण शिविर का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा, बस्ती। ब्लाक मुख्यालय वाला ग्राम पंचायत कुदरहा के पंचायत भवन पर पशुपालन विभाग द्वारा पशुपालक कल्याण एवं बांझझपन निवारण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राजकीय पशुचिकित्साधिकारी डा फजील खान ने फीता काट कर पशुपालको को नव वर्ष का कैलेंडर व बांझ निवारण किट सौप कर किया। लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पशुओं के आहर में पोषक तत्वों की कमी के कारण दुधारु पशुओं में बांझपन की समस्या आ रही है। सभी को जागरूक होने की जरूरत है। साथ ही साथ जानवरों को हराचारा व आहार देते रहे। पशुओं में बढ़ रहे बाजपन के कारण और निवारण के बारे में बताया।

कार्यक्रम मे दूधराम, दिलीप कुमार, सीताराम, इंद्रजीत, प्रभु दयाल, पतिराज, रामचरण, चंद्रेश शर्मा, फूलचंद, बैजनाथ, श्याम नारायण, राजमान, पंकज शर्मा, राम पलट, राम सिधारे, चक्रधारी, बहादुर सहित तमाम किसान मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी से मिले विनय आर्य, ओम प्रकाश आर्य, दिया महासम्मेलन का निमंत्रण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती ।महर्षि दयानन्द जी की 200वीं जयंती और आर्य समाज के 150वें स्थापना वर्ष के आयोजनों हेतु विनय आर्य महामंत्री दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा और ओम प्रकाश आर्य ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ आवास पर भेंटकर उन्हें विभिन्न कार्यक्रमों का निमंत्रण दिया और प्रदेश में चल रहे वैदिक गुरुकुलों के उत्थान के लिए आवश्यक सहायता करने का भी अनुरोध किया। जानकारी देते हुए ओम प्रकाश आर्य ने बताया कि महर्षि दयानंद सरस्वती के जयंती के दो सौ वर्ष पूरे होने और आर्य समाज की स्थापना के 150वें वर्ष के उपलक्ष में विश्वव्यापी आर्य समाज की सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा और आर्य प्रतिनिधि सभा मुम्बई द्वारा दिनांक 29एवं 30 मार्च को सिडको कनवेंशन सेन्टर वाशी, नवी मुम्बई में वृहद आर्य महासम्मेलन का आयोजन दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के सहयोग से किया गया है। उनके इस महासम्मेल में सम्मिलित होने से आर्य समाज और आर्य वीर दल के सामाजिक सेवा के कार्यों को उच्च चेतना और सम्बल प्राप्त होगा। ज्ञात हो कि इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आमंत्रित करने आए महासम्मेलन के सूत्रधार विनय आर्य महामंत्री दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा ने उन्हें विस्तार से कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने सन 1875 में मुंबई के काकड़वाड़ी आर्य समाज की स्थापना की थी और लोगों से वेदों की ओर लौटने का आह्वान किया था तबसे आर्य समाज निरन्तर गुरुकुलों, आर्य वीर दल और अन्य सामाजिक संगठनों के माध्यम से समाज से अन्धविश्वास, गुरुडम, पाखण्ड, मद्यपान, बालविवाह को समाज से दूर करने और संस्कारयुक्त शिक्षा, सामाजिक संस्कारों और युवा निर्माण के लिए प्रयासरत है। बताया कि इस महासम्मेलन का उद्देश्य देश के हर वर्ग को महत्व देते हुए उनको एक सूत्र में पिरोना है ताकि हमारा भारतवर्ष अपने प्राचीन गौरव को प्राप्त कर सके।

शिकायतों का समय से प्रभावी निस्तारण करायें अधिकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस पोर्टल की समीक्षा बैठक आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समयसीमा में करना सुनिश्चित करें और डिफाल्टर होने की तिथि से पूर्व ही अपना जवाब अपलोड करें। जिलाधिकारी ने शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर जोर दिया। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री जनता दर्शन, लोकायुक्त, मानवाधिकार, महिला आयोग संदर्भ की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त संदभों को समयान्तर्गत निस्तारित करना सुनिश्चित करें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सी.एस., सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती, मुख्य कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आर.एस. दुबे, उप जिलाधिकारी शाहिद अहमद, शत्रुध्न पाठक, विनोद पाण्डेय, आशुतोष तिवारी, ईओ नगरपालिका सुनिष्ठा सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी सत्यवीर सिंह, पीडी राजेश कुमार, ईडीएम सौरभ द्विवेदी सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

शिवरात्रि पर होगा टाटा योद्धा महादंगल का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय राजमार्ग 28 पर तिलकपुर में स्थित प्रमुख आस्थाधाम बाबा जागेश्वर नाथ शिव मन्दिर के विशाल मेला परिसर मे 26 फरवरी को एस पी ऑटोव्हील्स प्रा लि, टाटा मोटर्स के सौजन्य से विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन होना है। जिसे लेकर आयोजकों ने तैयारी को अंतिम रूप दे दिया है।प्रशासन भी व्यवस्थाओं का लगातार जायजा ले रहा है।

26 फरवरी को होने वाले विशाल कुश्ती दंगल की व्यवस्था का कम्पनी के अधिकारियों के साथ विवेकानंद तिवारी चौकी इंचार्ज फुटहिया, एस पी ऑटोव्हील्स निदेशक आशीष दूबे, डॉ रोहन दूबे ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया, शांतिपूर्ण व भव्य तरीके से दंगल कराने के लिए एक बड़ी टीम कार्य कर रही है।

आशीर्वाद समारोह का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बनकटी स्थित श्री सूर्य बक्श पाल इंटर कॉलेज बनकटी बस्ती में आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि अजीत मणि त्रिपाठी,उमेश श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य उर्वशी दूबे, जया शुक्ला, मंदाकिनी पाल, पारुल पाल बीपी यादव, चांदनी शुक्ला, प्रभाकर, सीपी चौधरी, राधेश्याम पांडेय एवं रवि श्रीवास्तव ने मां सरसस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

स्कूल के छात्र छात्राओं द्वारा गणेश वंदना,सरसस्वती वंदना,स्वागत गीत सहित अनेक मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

मुख्य अतिथि अजीत मणि त्रिपाठी ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपने इस विद्यालय में जो ज्ञान, अनुशासन और अनुभव प्राप्त किया है, वह आपको जीवन के हर मोड़ पर मार्गदर्शन देगा। आपकी मेहनत, लगन और उत्साह देखकर

हमें गर्व महसूस होता है। हमें विश्वास है कि आप सभी अपने जीवन में सफलता की ऊँचाइयों को छूएंगे।

प्रधानाचार्य उर्वशी दूबे एवं उमेश श्रीवास्तव ने कहा की एक अच्छा शिक्षक मोमबत्ती की तरह होता है, वह दूसरों के लिए रास्ता रोशन करने के लिए खुद को जला देता है। शिक्षण को हमेशा एक महान पेशे के रूप में माना जाता रहा है। कोई भी अच्छा शिक्षक अपनी सफलता और प्रयास के बारे में नहीं सोचता वह हमेशा अपने छात्रों के वर्तमान और भविष्य को ध्यान में रखता हैं।

विदाई अवसर पर मुख्य रूप से समस्त छात्र छात्राएं एवं शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बीआरसी हरैया के प्रांगण में मंगलवार को बेसिक शिक्षा एवं बाल विकास पुष्टाहार विभाग के संयुक्त तत्वाधान में ब्लॉक स्तरीय हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी विजय आनंद की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी हरैया सुशील कुमार पाण्डेय और प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण पर और दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। प्राथमिक विद्यालय तेनुआ की बच्चियों द्वारा सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। अतिथियों द्वारा विकासखंड के कुल 11 न्याय पंचायत से 55 निपुण बच्चों को बैग और स्टेशनरी देकर पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर खो–खो प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए संविलियन उच्च प्राथमिक विद्यालय निपनिया के पांच बच्चों को स्मृति चिन्ह देकर उनका हौसला बढ़ाया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि सरकार की मंशा है कि परिषदीय विद्यालयों की गुणवत्ता अच्छी हो। हमारे परिषदीय विद्यालयों के बच्चे किसी भी स्तर से निजी स्कूलों से कम ना रहें इसके लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। निपुण बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए

–शैक्षिक गुणवत्ता बेहतर करना सरकार की मंशा – सुशील पाण्डेय

कहा कि इनकी मेहनत काबिले तारीफ है अन्य बच्चे भी इससे सीख लें और बेहतर करने का प्रयास करें ताकि वह भी पुरस्कृत हों। खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि छोटे बच्चों को शिक्षित करने की जितनी जिम्मेदारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व शिक्षकों की है उतनी ही नामांकन व नियमित उपस्थिति का ध्यान रखने की जिम्मेदारी अभिभावकों की भी है। बच्चों की नियमित उपस्थिति के लिए अभिभावकों को प्रेरित किया जाय। कहा कि अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना हम सभी का दायित्व है। कार्यक्रम के संदर्भदाता एआरपी गिरिजेश बहादुर सिंह, उदय प्रताप सिंह, संदीप सिंह, उमेश सिंह, सुनील बौद्ध ने विभागीय योजनाओं के बारे में जानकारी साझा की। कहा कि अच्छी शैक्षिक गुणवत्ता से हमारे बच्चे बेहतर परिणाम दे रहे हैं और पुरस्कृत हो रहे हैं। इसी तरह सभी बच्चों को मेहनत करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन योगेश कुमार सिंह ने किया।

इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रामसागर वर्मा, सत्यराम वर्मा, नरेंद्र पाण्डेय, इश्तियाक अहमद, सर्वदेव सिंह, अमरचंद वर्मा, मनोज मिश्र, रामतौल शर्मा, चंदा रानी, निरुपमा तिवारी, अखिलेश सिंह, आदित्य सिंह, शोभाराम, हरी सिंह, राम नरेंद्र, सुनील कुमार, ऋषि सिंह, राजेश वर्मा, दिवाकर सिंह, जमुना, राकेश आदि उपस्थित रहे।

विश्व हिन्दू महासंघ ने निकाली भव्य शोभा यात्रा:समरसता भोज में दिया हिन्दू समाज के एकजुटता पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । विश्व हिन्दू महासंघ द्वारा मंगलवार को जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के संयोजन में संत शिरोमणि गुरू रविदास जयन्ती के उपलक्ष्य में शिविर कार्यालय सुलक्ष्मी टावर अस्पताल चौराहा से अमहट घाट स्थित सिद्धेश्वरनाथ शिव मंदिर तक भव्य शोभा यात्रा, निकाली गई। अमहट घाट स्थित सिद्धेश्वरनाथ शिव मंदिर पर समरसता भोज के साथ ही वक्ताओं ने हिन्दू समाज की रक्षा, संकट में सहयोग और एकजुटता पर वक्ताओं ने विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर महासंघ द्वारा योगदान के लिये विशिष्ट जनों को

-संत शिरोमणि गुरू रविदास को किया नमन्

अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह भेटकर उन्हें सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि संत शिरोमणि गुरू रविदास ने समाज को जो संदेश दिया उस पर चलने की जरूरत है।

मुख्य अतिथि विश्व हिन्दू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ने कहा कि महासंघ का उद्देश्य अलग–अलग धड़ों में बटे हिन्दू समाज को एकजुट कर उन्हें और शक्तिशाली बनाना है। विशिष्ट अतीत बाईसा करिश्मा हाड़ा ब्रांड एंबेसडर परिवहन विभाग, प्रवीण दुबे प्रदेश अध्यक्ष गौ रक्षा , प्रदेश महामंत्री गौ रक्षा मनोज प्रजापति के साथ ही पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, अरविन्द पाल, उमाशंकर पटवा, चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' के साथ ही अनेक वक्ताओं ने विस्तार से कार्यक्रम की उपादेयता पर प्रकाश डाला। महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने आगन्तुकों का स्वागत करते हुये कहा कि हिन्दू समाज की एकजुटता के लिये प्रायः अनेक रचनात्मक आयोजन किये जाते हैं। इसके साथ ही हिन्दू हितों की रक्षा के लिये अनवरत संघर्ष जारी है। कार्यक्रम में विश्व हिन्दू महासंघ के प्रदेश मंत्री अखंड प्रताप सिंह अनुज प्रताप सिंह मंडल प्रभारी प्रयागराज के साथ ही सौरभ त्रिपाठी, विजय शंकर शुक्ला, पूनम सिंह, संदीप कमलापुरी, अर्पण श्रीवास्तव, अमरजीत सिंह, मुन्ना सिंह, बाबा जयप्रकाश दास, सतीश पाण्डेय, पप्पू, जवाहरलाल चौधरी, दिग्विजय सिंह राणा, राकेश सिंह, विपिन सिंह चौधरी, अजय मिश्रा, महेश हिंदुस्तानी, बबलू सिंह, विष्णु प्रताप सिंह, राजकुमार मंटू चौधरी के साथ ही विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, भाजपा नेता आदि उपस्थित रहे।

अश्लील गाने लगाकर विडियो वायरल करने के मामले में दोषियो के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के बेहिल निवासी दलित हरिश्चन्द्र के साथ ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर अश्लील गाने लगाकर विडियो वायरल करने के मामले में दोषियो के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया। एसपी ने मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

पत्र में कहा गया है कि गत फरवरी की शाम को रविदास जयन्ती के उपलक्ष्य में जुलूस निकला था। जुलूस में संत रविदास और बाबा साहब पर केन्द्रित गीतों पर बच्चे, पुरूष, महलायें नृत्य कर रहे थे। बेहिल बुद्ध विहार के पास कुछ लोगों ने बच्चियों का विडियो बना लिया। राकेश मौर्या पुत्र राम उजागिर जो गांव का ही है ने बच्चियों का विडियो अश्लील गाने जोड़कर फेसबुक और इन्स्ट्राग्राम पर लगा दिया। विरोध करने पर उसे हटा दिया। बाद में उसे फिर लगा दिया। जब इसकी

शिकायत की गई तो राकेश मौर्या और उसके घर वाले, हरेन्द्र पुत्र बलिराम, गोपी पुत्र हरीश, राजेन्द्र मौर्या पुत्र लौटू, धर्मेन्द्र मौर्या पुत्र रामजग आदि जाति सूचक गालियां देने लगे। धमकी दिया कि शिकायत करोगे तो आग लगाकर जलाकर मार डालूंगा। हरिश्चन्द्र के अनुसार घटना की सूचना मुण्डेरवा थाने पर दिया गय, पुलिस राकेश मौर्य और कुछ अन्य लोगों को थाने पर ले जाकर पूंछताछ किया किन्तु बिना किसी कार्रवाई के उन्हें थाने से छोड़ दिया गया। इससे ग्रामीण काफी डरे हुये हैं। मांग किया कि प्रकरण में समुचित कार्यवाही कर न्याय दिलाया जाय।

एसपी को पत्र देने के दौरान मुख्य रूप से भीम युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव, संदीप कुमार गौतम, राजमन भारती, बाबूलाल, रामाशीष, फूलचन्द, ओम प्रकाश, सिद्धार्थ, बाबूराम, जगराम, घमालू, दिलीप, प्रहलाद, रामजगत, राकेश कुमार, केदार, अमरजीत, राम सागर, शनि आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती

बस्ती 19 फरवरी 2025 बुधवार

सम्पादकीय

फूहडता, अभद्रता के समय में

हाल के दिनों में सोशल मीडिया से जुड़े प्लेटफॉर्मों के कार्यक्रमों में स्वेच्छाचारिता और वर्जनाएं तोड़ने के अनगिनत मामले प्रकाश में आए हैं। जो भारतीय सामाजिक व पारिवारिक मूल्यों का अतिक्रमण करते हुए अराजक व्यवहार कर रहे हैं। पिछले दिनों संसद से लेकर सड़क तक यूट्यूब पर प्रसारित एक फूहड़ व अभद्र कार्यक्रम के खिलाफ कार्रवाई की मांग गूंजती रही, जिसमें अभद्रता से सामाजिक मर्यादा की सीमाएं लांघने की कुत्सित कोशिश हुई। पिछले दिनों कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो 'इंडियाज गॉट टैलेंट' में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर व यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने एक अश्लील, अभद्र व अमर्यादित टिप्पणी की। इस बदमिजाज यूट्यूबर ने शो के एक प्रतिभागी के माता–पिता के अंतरंग पलों के बारे में घोर निंदाजनक प्रश्न किए। जैसा अपेक्षित था, भारतीय परिवार व सांस्कृतिक मूल्यों पर हमला करने वाली टिप्पणी पर देश में भारी विवाद हुआ। देश के विभिन्न भागों में इस मामले में शिकायतें दर्ज की गईं, और राष्ट्रीय महिला आयोग ने ऐसे कार्यक्रमों के नियमन की मांग करते हुए कार्रवाई की सिफारिश की। साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने यूट्यूब से इस विवादित कार्यक्रम को हटाने के निर्देश दिए। देश के राजनीतिक क्षेत्रों में भी इस विवाद को लेकर तीखी टिप्पणियां सामने आईं। इस विवाद ने देश में इस बहस को एक बार फिर तेज किया कि सामाजिक मूल्यों को लेकर अभिव्यक्ति की आजादी की सीमा के निधारण और डिजिटल कंटेंट निर्माताओं की जवाबदेही कैसे तय की जाए। साथ ही रचनात्मक अभिव्यक्ति तथा सार्वजनिक शिष्टाचार में सामंजस्य कैसे बनाया जाए।

दरअसल, सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर लाइक और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिये तमाम फूहड़ व तल्खीभरे कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाता है, ताकि इससे यूट्यूबरों की आय बढ़ सके। बदलते वक्त की विडंबना यह है कि धीर–गंभीर व उपयोगी कार्यक्रमों को दर्शकों का वह प्रतिसाद नहीं मिलता, जो ऊल–जलूल कार्यक्रमों को मिलता है। इन कार्यक्रमों के ज्यादा देखे जाने से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का विज्ञापन भी बढ़ता है। इसी होड़ में अमर्यादित और विवादास्पद कार्यक्रमों की शृंखला का जन्म होता है। ऐसे में सवाल उठाया जा रहा है कि क्या सोशल मीडिया नियमन को लेकर बने कानून इस अराजकता पर अंकुश लगाने में सक्षम हैं? क्या इलेक्ट्रानिक माध्यमों के जरिये प्रसारित सामग्री पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम को सख्त बनाने की जरूरत है? क्या अश्लील अभिव्यक्ति को दंडनीय बनाने के लिये सख्त कानूनों की जरूरत है? सवाल यह भी है कि हंसी मजाक के कार्यक्रमों के लिये सामाजिक मर्यादाओं की सीमा कैसे तय की जाए? जाहिर है अब वक्त आ गया है कि मनोरंजक हास्य कार्यक्रमों और आपत्तिजनक कंटेंट के बीच सीमा का निर्धारण किया जाए। निस्संदेह, किसी लोकतांत्रिक देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अपरिहार्य शर्त है, लेकिन इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि हम तमाम सामाजिक व पारिवारिक मर्यादाओं को ताक पर रख दें। किसी भी सूरत में सोशल मीडिया को एंटी सोशल अभिव्यक्ति की आजादी नहीं दी जा सकती। निस्संदेह, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को कंटेंट के बाबत जवाबदेह बनाने की जरूरत है। इसके संचालकों को चाहिए कि रचनात्मक स्वतंत्रता के नाम पर सार्वजनिक शिष्टाचार का अतिक्रमण न करें।

आज अमूमन हर हाथ में मोबाइल है और मोबाइल पर सोशल मीडिया। हाथ में फोन देखा नहीं कि लोगों ने कयास लगाना शुरू कर दिया कि समय बर्बाद कर रहा है। पर क्या यह सच है? मुमकिन है, पर हर बार, हर शख्स के साथ नहीं। यह सच है कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप आदि पर कुछ वक्त गुजारे बिना दिन पूरा नहीं होता। पर, हर बार इसे समय की बर्बादी की उपाधि देना गलत होगा। दबे कदमों से हमारी जिंदगी में दाखिल हुई इस वर्चुअल दुनिया को जिसने अपना मित्र बना लिया, उसके पास बहुत कुछ है यहां से सीखने और पाने के लिए। जरूरत है समन्वय और संतुलन की।

कैसे रूके युवाओं का विदेश पलायन

—सुरेश सेठ—

भारत को युवाओं का देश कहा जाता है, क्योंकि यहां की आधी आबादी 18 से 35 वर्ष की युवा पीढ़ी वाली है, जो कर्मशील है। लेकिन विडंबना यह है कि इस पीढ़ी को रोजगार की सही गारंटी देने की बजाय, उन्हें केवल बेरोजगारी से जूझने की गारंटी दी जाती है। देश में शॉर्टकट संस्कृति और अनुकंपाओं का बोलबाला है। एक ओर विकास दर के बढ़ने के आंकड़े प्रस्तुत किए जाते हैं और कहा जाता है कि हम सबसे तेज आर्थिक विकास कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर लोगों के पास पर्याप्त रोजगार नहीं है। उनकी उम्मीदें टूट रही हैं।

शिक्षा की डिग्रियां अब कृत्रिम मेधा और डिजिटल दुनिया से असंबद्ध होती जा रही हैं। आज का युवा खुद को देश की मुख्यधारा से अलग महसूस करता है। हम एक समानतावादी समाज बनाने का संकल्प लेकर चले थे, लेकिन असमानताएं बढ़ती चली गईं। देश की 90 प्रतिशत संपत्ति मुट्ठीभर लोगों के हाथों में सिमट गई है। यह स्थिति पहले भी सच थी और आज भी वही सच है। शायद जब हम आजादी के शतकीय महोत्सव पर खुद को एक विकसित राष्ट्र कहेंगे, तब भी यही सच रहेगा। एक ऐसा राष्ट्र, जहां 80 करोड़ से अधिक लोग रियायती अनाज पर निर्भर हैं। ऐसे में सपनों और उम्मीदों से भरा नौजवान अपने देश में अपने भविष्य को खो चुका महसूस करता है। उसे विदेश जाने के सपने ललचाने लगते हैं और वह किसी भी तरीके से, वैध या अवैध, विदेश जाने को तैयार हो जाता है। अमेरिका उनका सबसे आकर्षक गंतव्य बन जाता है। वहां की आय भारतीय मुद्रा में लाखों रुपये बन जाती है, जिससे वह कम से कम वेतन पाकर भी समृद्ध जीवन जीने की उम्मीद करता है। ऐसे में, गांवों में खाली पड़े घर और बुजुर्गों के लिए बनी हवेलियां बस अकेलेपन और असमर्थता का प्रतीक बन जाती हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अवैध प्रवासी भारतीयों और अन्य देशों के नागरिकों को अमेरिका से निकालने का अभियान शुरू किया, जिसके तहत बिना वैध कागजात वाले भारतीय नागरिकों को अस्तित्व के संकट का सामना करना पड़ा। ट्रम्प का नारा 'अमेरिका अमेरिकियों के लिए' अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों के लिए मुश्किलें बढ़ा रहा है।

इमिग्रेशन एजेंटों द्वारा दिखाए गए झूठे सपने अब टूट रहे हैं, क्योंकि इन एजेंटों ने फर्जी अकादमियों और विश्वविद्यालयों के माध्यम से युवाओं को विदेश भेजने का झांसा दिया था। यह पीढ़ी अपने सपनों से निर्वासित होकर एक भटकाव की स्थिति में है। इन युवाओं के भविष्य का निर्धारण केवल भारत में होना चाहिए, जहां उन्हें सही दिशा और अवसर मिले। पंजाब में अवैध इमिग्रेशन एजेंटों की संख्या भयावह है। यहां पंजीकृत एजेंटों की संख्या महज 212 है, जबकि अधिकांश एजेंट अवैध रूप से काम कर रहे हैं। इसके बावजूद, ट्रैवल एजेंट नए तरीके से युवाओं को विदेश भेजने का झांसा देते हैं, जो उन्हें अवैध रास्तों से, जैसे जंगलों में भटकने, पैदल चलने और लाखों रुपये खर्च करने के बावजूद सही मंजिल तक नहीं पहुंचने देते। अब अमेरिकी सरकार ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ अभियान शुरू किया है, जिसके तहत जो लोग बिना कागजात के अमेरिका में प्रवेश करेंगे, उन्हें निकाल बाहर किया जाएगा। यह समस्या केवल युवाओं के लिए नहीं, बल्कि उनके परिवारों के लिए भी गंभीर है, जो अपने बच्चों को विदेश भेजने के लिए मजबूर होते हैं।

क्या भारत को अपनी युवा पीढ़ी के लिए रियायतें मांगने की आवश्यकता हो गई है? यह एक गंभीर सवाल है। मोदी और ट्रम्प की मैत्री को देखते उम्मीद की जा सकती है कि इन युवाओं को थोड़ी राहत मिल सकेगी। हालांकि, अमेरिका का अपना स्वार्थ भी है। वह भारत के तकनीकी एक्सपर्ट्स, जैसे आईटी पेशेवरों को एच–1बी वीजा के तहत स्वीकार करता है, क्योंकि वह जानता है कि ये लोग उसे डिजिटल, रोबोटिक और कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में मदद कर सकते हैं। लेकिन, वह उन मजदूरों या श्रमिकों को नहीं चाहता जो उसके देश के शारीरिक कामकाजी वर्ग के वेतन में सेंध लगाते हैं। यही कारण है कि अमेरिका अवैध प्रवासी भारतीयों के खिलाफ सख्त अभियान चला रहा है। इसे गलत नहीं कहा जा सकता, क्योंकि हर देश का अधिकार है कि वह केवल वैध नागरिकों को अपने देश में रखे। अवैध नागरिक किसी भी देश के कानून और अनुशासन के लिए खतरा बन सकते हैं। विदेशों में रोजगार पाने की चाहत की बजाय, क्या यह समय नहीं है कि हम मेहनती युवाओं के लिए अपने देश में अवसर प्रदान करें?

हमारी आर्थिक नीति को आयात आधारित से निर्यात आधारित बनाना बहुत जरूरी है। इसके लिए लघु और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना आवश्यक है। ऐसे उद्योगों में काम करने के अवसर इन्हीं नौजवानों को मिल सकते हैं। लेकिन इसके लिए केवल निवेश की जरूरत नहीं है, बल्कि शिक्षा प्रणाली में भी व्यापक बदलाव की आवश्यकता है।—लेखक साहित्यकार हैं।

स्वावलंबन दें मुफ्त की कल्याणकारी योजनाएं

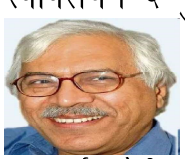

—एस.वाई. कुरैशी—

हाल के दिनों में, हमारे राजनीतिक शब्दकोश में एक नया शब्द शामिल हुआ है – 'रेवड़ी संस्कृति'। प्रधानमंत्री द्वारा मुफ्त की इस तथाकथित संस्कृति की आलोचना ने एक नई बहस को जन्म दिया है, जिसमें कल्याणकारी उपायों की वैधता पर सवाल उठाते हुए पूछा जा रहा है कि क्या ये व्यवहार्य हैं या सिर्फ उदारता के वेष में राजकोषीय गैर–जिम्मेदाराना कृत्य हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अब इस मामले में दखलअंदाजी करते हुए चिंता व्यक्त की है कि अत्यधिक अनुदान लोगों को निष्क्रिय बना रहे हैं। हाल ही में एक खंडपीठ ने टिप्पणी की कि मुफ्त का राशन लोगों को काम से बचने वाला बना सकता है, और ऐसी नीतियां एक परजीवी वर्ग पैदा कर सकती हैं। हाल ही में संपन्न दिल्ली चुनावों में, सभी प्रमुख दलों ने मुफ्त उपहार देने में एक–दूसरे के साथ होड़ लगाई थी दृ महिलाओं और युवाओं को मासिक नकद सब्सिडी के अलावा मुफ्त बिजली, पानी, यात्रा, चिकित्सा–उपचार और शिक्षा इत्यादि। कोई आश्चर्य नहीं कि सुप्रीम कोर्ट ने कड़े शब्दों में जो प्रतिक्रिया व्यक्त की है,विचार करने लायक है।

बहस का सार व्यापक है – क्या ये मुफ्त चीजें गरीबों के कल्याण के लिए जरूरी हैं या चुनावी लाभ पाने को सियासी दलों की जरूरत भर हैं? एक और मुद्दा रू अगर वादा गरीबों के लिए हो, तो इसे 'मुफ्त रेवड़ी' ठहराया जाता है, और जब अमीरों के लिए हो, तो प्रोत्साहन बताया जाता है। इस बहस में, अर्थव्यवस्था पर ध्यान कहीं पीछे छूट जाता है। भारत में मुफ्त तोहफे मोटे तौर पर दो श्रेणियों में आते हैं रू वह जो चुनाव घोषणा से पहले दिए जाते हैं या वे जिनका वादा आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद किया जाता है।

पहले प्रकार वाले सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा लिए गए नीतिगत निर्णय होते हैं– सब्सिडीज, मूल्य कटौती, नई कल्याणकारी योजनाएं जो आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले, सुविधाजनक समय पर लागू किए जाते हैं। दूसरी श्रेणी वाले वह हैं, जो पार्टी के घोषणापत्रों के माध्यम से पेश किए जाते हैं– राजकोषीय परिणामों की परवाह किए बिना बड़े–बड़े वादे। चाहे इसके लिए मुफ्त का भोजन, परिवहन, खातों में नकदी का वादा किया जाए, घोषणापत्र चुनाव आयोग की जांच को आकर्षित नहीं करते। सुप्रीम कोर्ट ने 2013 के एक मामले में फैसला सुनाया था कि ऐसे वादे जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत 'भ्रष्ट आचरण' नहीं कहे जा सकते, भले ही वे निर्विवाद रूप से स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनावों की जड़ें हिलाने वाले हों'। अदालत ने चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों के परामर्श से दिशा–निर्देश तैयार करने का निर्देश दिया था। ये निर्देश वास्तव में जवाबदेह चुनाव प्रचार को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए 2013 में जारी किए गए थे कि घोषणापत्रों में किए गए वादे यथार्थवादी हों और मतदाताओं को अनुचित प्रभावित न करें। हालांकि, जो हम देखते हैं वह उल्लंघन है, यहां तक कि लाखों करोड़ रुघ बांटे जाते हैं। यह मतदाताओं को रिश्वत नहीं, तो और क्या है? और यह पैसा आता कहां से है? जाहिर है आपकी और मेरी जेब से। राजनेता हमारी जेबें खाली कर चुनाव जीतते हैं! मुफ्त की रेवड़ियों पर बहस में दोगलापन साफ दिखता है। जब प्रावधान गरीबों के लिए होंदृ जैसे राशन योजना, मुफ्त बिजली, सामाजिक कल्याण लाभ दृ इनको रेवड़ी बता प्रचारित किया जाता है, जबकि कॉर्पोरेट अभिजात्य वर्ग को बहुत बड़े पैमाने पर दी टैक्स कटौती को राष्ट्र की प्रगति के लिए जरूरी वित्तीय 'प्रोत्साहन' बताया जाता है। आंकड़े इस तर्क का समर्थन करते हैं।

वर्ष 2019 में, सरकार ने घरेलू निर्माताओं के लिए कॉर्पोरेट कर की दर को 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत और नई विनिर्माण कंपनियों के लिए 25 से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया था,इस कदम से सरकारी खजाने को 1.5 लाख करोड़ रु. का नुकसान हुआ, जिससे राजकोषीय घाटा काफी बढ़ा। यह निर्णय 36 घंटों में क्रियान्वित भी कर दिया गया,जोकि मंत्रिमंडल में रखे बिना विशेषाधिकार प्रावधान के जरिये लागू किया गया। ऑक्सफैम की रिपोर्ट से खुलासा होता है कि कोविड–19 महामारी के दौरान, जहां गरीबी बढ़ी और बेरोजगारी 15 प्रतिशत जैसे उच्च स्तर पर पहुंच गई वहीं भारत में अरबपतियों की संख्या में 39 प्रतिशत वृद्धि हुई। 10 सबसे अमीर भारतीयों ने इस दौरान जितना मुनाफा बनाया, वह 25 वर्षों तक भारत के प्रत्येक बच्चे की शिक्षा के लिए पर्याप्त धन जितना है। यह शाश्वत विरोधाभास है। जब सरकार अरबपतियों को कर–लाभ देती, तो यह आर्थिक सुधार के नाम पर होता है। लेकिन जब राहत गरीबों को प्रदान करनी हो तो इसे राजकोषीय गैर–जिम्मेदारी करार दिया जाता है।

मुफ्त चीजों से निर्भरता बढ़ने के बारे में शीर्ष अदालत की हालिया टिप्पणी इस बहस में एक और गंभीर आयाम जोड़ती है। विशेष रूप से ग्रामीण भारत को लेकर चिंता यह जताई जा रही है कि मुफ्त राशन और कल्याण योजनाएं श्रम करने को हतोत्साहित कर रही हैं। न्यायमूर्ति बीआर गवई ने टिप्पणी की कि महाराष्ट्र में किसानों को खेत मजदूर मिलने में मुश्किल आ रही है क्योंकि वे दिहाड़ी की बजाय मुफ्त राशन पर निर्भर रहने को तरजीह देने लगे हैं। जब से मनरेगा योजना विभिन्न रूपों में शुरू हुई है, इस तंगी का असर पंजाब में विशेष रूप से नजर आ रहा है। इससे इस तर्क को बल मिलता है कि कल्याणकारी उपायों की रूपरेखा ऐसी हो कि लोग सशक्त बनें न कि स्थायी निर्भरता पैदा करने वाली। निर्भरता बनने के पीछे असल दोषी किफायती स्वास्थ्य सेवा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्थाई रोजगार अवसरों की कमी है, न कि कल्याणकारी कार्यक्रम। अगर लोगों के पास सुरक्षित, अच्छे वेतन वाली नौकरियां हों, तो वे दान के रूप में मिलने वाले मुफ्त के अनाज पर निर्भर नहीं होंगे।

कल्याण एक सहायक सीढ़ी बने न कि निठल्ला बनाने वाला प्रश्रय। यह विडंबना है कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का दंभ भरने वाला देश 80 करोड़ से अधिक लोगों को बतौर दान मुफ्त राशन दे रहा है– जो इसकी आबादी का लगभग 60 प्रतिशत है। सवाल, क्या गरीब मुफ्त चीजों से आसानी से प्रभावित हो जाते हैं, खासकर जब सभी पार्टियां एक जैसे वादे करती हों? ऐतिहासिक रूप से, हमने मुफ्त चीजों, कल्याणकारी योजनाओं के कई फायदे देखे हैं। जब तत्कालीन सीएम एनटी रामाराव ने आंध्र प्रदेश में 'एक रुपये प्रति किलो चावल' योजना शुरू की, तो उनका मजाक उड़ाया गया था, लेकिन इसका नतीजा हुआ कि भुखमरी से मौतें अतीत की बात हो गईं। नीतीश कुमार द्वारा स्कूली छात्राओं को मुफ्त साइकिलें देने से बिहार में लड़कियों की स्कूलों में हाजिरी और पढ़ाई जारी रखने की दर में वृद्धि हुई। रोजगार गारंटी योजनाओं ने लाखों लोगों को आय सुरक्षा प्रदान की है, भले ही इसने शहरी अभिजात्य वर्ग के लिए घरेलू नौकरों की कमी पैदा कर दी हो। भारत में बहस इसको लेकर नहीं होनी चाहिए कि हमें कल्याण योजनाओं की आवश्यकता है या नहीं, बल्कि यह यकीनी बनाने के बारे में हो कि इनकी रूपरेखा सही ढंग की और टिकाऊ हो। मुफ्त स्वास्थ्य सेवा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और रोजगार के अवसर तोहफे या रियायतें नहीं। वे लोकतंत्र में नागरिक का हक हैं। रेवड़ियों की बजाय, हमें अधिकारों और स्वतंत्रताओं के बारे में बात करनी चाहिए।—लेखक भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त रहे हैं।

अध्यात्म की खोज में युवामन

—डॉ. संजय वर्मा—

अध्येताओं ने किशोर और युवावस्था के दौर की व्याख्या इस रूप में की है कि यह उम्र तीव्र वैचारिक भूख, जीवन के अर्थ व उद्देश्य की खोज और रिश्तों से जुड़ाव की इच्छा की होती है। इस उम्र में वह मानसिक द्वंद्व भी नजर आता है, जिसमें वे यह फैसला नहीं कर पाते हैं कि कोई विचार उनके जीवन के विकास और दिशा को किस प्रकार प्रभावित कर सकता है। अटकाव और भटकाव के इस दौर में अक्सर ये किशोर और युवा वहां पहुंचने की कोशिश करते हैं जहां उन्हें अपने अंदर उठ रहे सवालों के जवाब मिल सकें। यह अकारण नहीं है कि इस बार प्रयागराज महाकुंभ 2025 में जुटे करोड़ों श्रद्धालुओं में एक बड़ी संख्या उन युवाओं की रही– जिन्हें जेनरेशन जेड कहा जाता है। जेनरेशन जेड में वे लोग आते हैं, जिनका जन्म 1990 और 2010 के बीच हुआ है। इनमें से ज्यादातर छात्र हैं या कुछ ऐसे हैं जिन्होंने कुछ साल पहले कोई नौकरी या कारोबार शुरू किया है। इस पीढ़ी के युवाओं की एक पहचान और है। इसी पीढ़ी ने अपने जवान होने की उम्र में फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप को पैदा होते और इन सोशल मीडिया मंचों को जवान होते हुए देखा है। इस पीढ़ी का महाकुंभ से जुड़ाव इस रूप में भी देखा जा सकता है कि इन युवाओं ने प्रयाग में डुबकी लगाने से पहले गूगल पर महाकुंभ के बारे में सर्च किया। इंस्टाग्राम पर आईआईटियन बाबा और चेहरे–मोहरे की सुंदरता के बल पर वायरल हुई युवती मोनालिसा को देखकर जिज्ञासावश जमघट लगाया। पर क्या उनकी इस जिज्ञासा और संशय की स्थिति को कहीं से भी उस युवा आध्यात्मिकता से जोड़ा जा सकता है– जिसकी इन दिनों महाकुंभ के प्रयोजन से चर्चा छिड़ी हुई है।

यात्राओं और होटल आदि की बुकिंग करने वाली वेबसाइट एलएक्सआईगो के आंकड़ों को सही मानें तो इस बार महाकुंभ में 20–25 साल के युवाओं की तादाद 45 या इससे ज्यादा की उम्र वालों की तुलना में काफी ज्यादा रही। बीते एक साल में धार्मिक स्थलों की यात्रा संबंधी बुकिंग में 150 फीसदी इजाफा हुआ है। शायद इसी बदलाव का असर है कि प्रयागराज के साथ–साथ काशी और अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ में उन युवाओं की भागीदारी ज्यादा दिखी जो शायद पहली बार इस तरह की धार्मिक–आध्यात्मिक यात्रा पर निकले हैं। लेकिन क्या उनकी इस यात्रा को आध्यात्मिकता की खोज कहें। या यह सिर्फ छापामार पर्यटन है जिसमें युवा हर दिन कुछ नया खोजने यहां से वहां जाने का उपक्रम करते दिखते हैं। एक बात तो बेखटके कही जा सकती है कि जिस फोमो (FOMO– फीयर ऑफ मिसिंग आउट यानी कुछ छूट जाने या खो जाने का भय युवाओं को सताने लगा है, धर्मस्थलों की ओर उनकी दौड़ उस डर को कुछ अंशों में अभिव्यक्त करती है। ये युवा सोशल मीडिया पर अपना स्टेटस अपडेट करना चाहते हैं। दिखाना चाहते हैं कि महाकुंभ के दुर्लभ संयोग में संगम स्नान का पुण्य उन्होंने भी अर्जित किया है। कुछ अलग फील करने की चाह (जो कई बार युवाओं को नशे की राह पर ले जाती है) भी एक वजह है जो उन्हें इस आयोजन तक खींच ले गई। लेकिन उनकी उत्सुकता इतनी सतही भी नहीं कही जानी चाहिए। महाकुंभ पहुंचने वाले युवाओं में एक तबका ऐसा भी है जो भक्ति के रंग में रंगा, उत्साह से लबरेज और भारतीय संस्कृति को करीब से जानने–समझने की ललक लेकर वहां पहुंचा। उसे यह महसूस हुआ कि विविधि संस्कृतियों वाले इस महादेश को और उसकी आध्यात्मिकता की वास्तविकता को समझने के लिए इससे बेहतर कोई और जगह नहीं हो सकती।

साधुओं की संगत में बैठकर स्मार्टफोन लेकर यह पूछते हुए वीडियो बनाते तमाम युवाओं को भी इस बार नोटिस किया गया, जो यह पूछ रहे थे कि आखिर सनातन धर्म क्या है, यह दूसरे धर्मों से कैसे और कितना अलग है? साधुओं का हठयोग क्या है? ये साधु कैसे न्यूनतम संसाधनों पर जीवित रह पाते हैं और कठिनतम स्थितियों का सामना कर पाते हैं? हालांकि युवाओं को इन आध्यात्मिक सवालों का समाधान जल्दी में चाहिए, पर उनकी इस जिज्ञासा को हल्के में नहीं लेना चाहिए। हो सकता है कि उनका अध्यात्म के प्रति जो आरंभिक रुझान है, वह उन्हें सच्ची आध्यात्मिकता की ओर ले जाए। आईआईटियन बाबा के रूप में मशहूर शख्स को एक मिसाल माना जा सकता है, जो युवा आध्यात्मिकता के नए ट्रेंड की पड़ताल करने और उसे सहेजने की मांग करता है। इन जिज्ञासाओं, व्याख्याओं और सोशल मीडिया पर प्रसारित–प्रचारित इंस्टा–रील्स के प्रसंग से यह सवाल उठा है कि क्या ये सब चीजें हमारे युवाओं के आध्यात्मिक रुझान को सही परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत कर रही हैं। और क्या यही वह युवा आध्यात्मिकता है, जिसे भारत ही नहीं, पूरी दुनिया को जरूरत है। निश्चय ही इसमें पहला प्रसंग आईआईटी वाले बाबा का उठता है। दावा किया गया कि आईआईटी–बॉम्बे से डिग्री ले चुका और एक कंपनी में सालाना लाखों का वेतन पाने वाला एक युवा संन्यासी बन गया और बाबा के रूप में महाकुंभ में शामिल होकर उसने आध्यात्मिकता के नए पहलुओं को सामने रखा। वैसे तो कथित सांसारिकता से विमुख हुए आईआईटियन बाबा की अस्पष्ट सी बातों–व्याख्याओं में से अध्यात्म की गहरी समझ हासिल करने का दावा करना जल्दबाजी होगा, लेकिन एक पढ़े–लिखे शख्स के मुंह से अध्यात्म की बातें सुनना युवाओं को खूब भाया। इससे युवाओं की यह जिज्ञासा सामने आ गई है कि आखिर अध्यात्म में ऐसा क्या है कि वह पढ़े–लिखे लोगों को अपनी ओर खींच लेता है। असल में जेनरेशन जेड कहलाने वाले युवाओं की दुनिया में इंटरनेट और खास तौर पर सोशल मीडिया मंचों ने जो बड़े बदलाव किए हैं, उनमें एक तो उनमें एकाग्रता की कमी (अटेंशन डेफिसिट) की शक्ल में किया है। मोबाइल इंटरनेट की तकनीकी ने युवाओं के दिमागों को उलझाने के लिए इतनी तेज गति से दृश्यों और सूचनाओं की बौछार शुरू की है जिसमें उन्हें हर क्षण खुद को व्यस्त रखने के लिए कुछ नया और रोमांचक चाहिए होता है। सोशल मीडिया पर सक्रिय ये युवा किसी एक चीज से बड़ी जल्दी ऊब जाते हैं। किसी एक मुद्दे पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। उन्हें किसी बहुत बड़ी तलब की तरह थोड़ी–थोड़ी देर में कुछ अप्रत्याशित और आवेगपूर्ण कंटेंट की जरूरत होती है। इससे युवा दुनिया में एक नए किस्म के मनो–सामाजिक विकास का चरण कायम हुआ है, जिसमें वे अपनी एक मुकम्मल पहचाने बनाने के संकट से जूझ रहे हैं। इसमें कभी उन्हें साथियों और माता–पिता की अपेक्षाओं का दबाव झेलना पड़ता है तो कभी डिजिटल स्क्रीनों पर दिख रहे व तेजी से बदल रहे दृश्यों और सूचनाओं से तालमेल बिठाने की जरूरत महसूस होती है। ऐसी स्थितियों में वे कई बार खुद के बारे में वास्तविक और ईमानदार होने के बजाय इन चीजों का "अभिनय" मात्र करते हैं। ऐसा दूसरे लोगों द्वारा सोशल मीडिया पर प्रदर्शित उदाहरणों के दबाव में होता है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बस्ती

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा निम्नलिखित भवन स्वामियो/क्रेतागणों तथा अन्य व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि निम्न भवनों के नाम परिवर्तन की कार्यवाही नगर पालिका परिषद बस्ती में बिचाराधीन है सम्बन्धित पक्षो को धारा 147 (2) की नोटिस भेजी जा चुकी है आपत्तिकर्ता सम्पूर्ण प्रमाण सहित विज्ञापन प्रकाशित होने के दिनांक से 30 दिन के अन्दर अपना पक्ष/आपत्ति नगर पालिका परिषद बस्ती के कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा सहनियम कार्यवाही करते हुए प्रकरण निस्तारित कर दिया जायेगा।

क्र0	प्रापर्टी आई0डी0	आवेदन संख्या	वर्तमान नाम	प्रास्तावित नाम		अधार
1	2	3	4	5		6
1	0951701007028256R/	PM5172425003396/	उर्मिला देवी पत्नी स्व. रामसुरेश प्रजापति एवं शैलेन्द्र कुमार प्रजापति पुत्र स्व. रामसुरेश प्रजापति	शैलेन्द्र कुमार प्रजापति	राम सुरेश प्रजापति	वारिसान
2	0951701008034160R/	PM5172425003394/	रामलाल पाल, श्याम पाल, रामदेव पाल, चन्द्रपाल, रामचन्द्र पाल पुत्रगण महगी	धीरेन्द्र पाल	राम चन्द्र पाल	फैमिली सेटलमेट
3	0951701008034162R/	PM5172425003393/	रामलाल, श्यामलाल, रामदेव, चन्द्रपाल, रामचन्द्र पाल पुत्र मंहगी	धीरेन्द्र पाल	राम चन्द्र पाल	फैमिली सेटलमेंट
4	0951701008031854R/	PM5172425003390/	श्री गिरजा लाल श्रीवास्तव पुत्र रामानन्द	विनय कुमार श्रीवास्तवा	गिरीजा शंकर श्रीवास्तवा	फैमिली सेटलमेंट
5	0951701004023040R/	PM5172425003380/	रामलाल पुत्र चिथरू	राम भरत	राम लाल	वारिसान
6	0951701006028965R/	PM5172425003375/	लियाकत हुसैन श्री पुत्र श्री मनौवर हुसैन	मेहरोज फातमा	अखलाक अहमद सिद्वीकी	रजि० सेल डीड
7	0951701004023035R/	PM5172425003379/	रामलाल, छबिलाल का बेटा चिथरू	राम भरत	राम लाल	वारिसान
8	0951701004023038R/	PM5172425003378/	रामलाल पुत्र चिचरू	राम भरत	राम लाल	वारिसान
9	0951701006030633R/	PM5172425003372/	श्रीमती चंदा सिंह, श्री पृथ्वी सिंह की पत्नी	अजय प्रकाश सिंह	पृथ्वी सिंह	वारिसान
10	0951701005020934R/	PM5172425003374/	श्री सुरेन्द्र बहादुर, पुत्र चन्दन प्रसाद	विरेन्द्र कुमार	सुरेन्द्र बहादुर	वारिसान
11	0951701006037382N/	PM5172425003373/	श्री नूर मोहम्मद खान, अब्दुल्ला खान, अब्दुल रहीम खान पुत्रगण जान मोहम्मद खान	तारीक अहसान खान	जमाल अहमद खान	रजि० सेल डीड
12	0951701002025311R/	PM5172425003368/	प्रमोद कुमार पुत्र हरिराम	रोहन कुमार	प्रमोद कुमार	रजि० सेल डीड
13	0951701008032337R/	PM5172425003370/	श्री हौशिला प्रसाद त्रिपाठी	श्री कान्त त्रिपाठी	हौशिला प्रसाद	वारिसान
14	0951701006030576R/	PM5172425003365/	अब्दुल मजीद पुत्र मो० इब्राहिम	नसरीन	अब्दुल मौज	रजि० वसीयत
15	0951701006022859R/	PM5172425003364/	डॉ. सूरज लाल श्रीवास्तव, सुभाष चंद्र श्रीवास्तव, ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव पुत्र स्व. मोतीलाल श्रीवास्तव एवं श्रीमती विंदावासिनी श्रीवास्तव पुत्री स्व. मोतीलाल श्रीवास्तव	ममता श्रीवास्तव	सुभाष चन्द्र	वारिसान
16	0951701006025904R/	PM5172425003361/	श्रीमती उषा देवी शुक्ला पत्नी अष्टभुजा प्रसाद शुक्ला	अमित शुक्ला	अष्टभुजा प्रसाद शुक्ला	रजि० वसीयत
17	0951701006030601R/	PM5172425003360/	श्रीमती उषा देवी शुक्ला पुत्री डॉ. कमला दत्त त्रिपाठी	अमित शुक्ला	अष्टभुजा प्रसाद शुक्ला	रजि० वसीयत
18	0951701004018674R/	PM5172425003362/	रामफेर पुत्र बदल	भोला प्रसाद यादव	राम फेर यादव	वारिसान
19	0951701004026579R/	PM5172425003357/	कौशल्या पत्नी शिवशंकर	सोनू कुमार	राजू	रजि० वसीयत
20	0951701004025663R/	PM5172425003358/	गौरीशंकर पुत्र गोकुल	लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता	गौरी शंकर गुप्ता	वारिसान
21	0951701003022376R/	PM5172425003355/	भागवती देवी	भागवती देवी	हरीलाल चौरसिया	रजि० सेल डीड
22	0951701005026508R/	PM5172425003353/	श्री विशुन देव सिंह पुत्र राम मूर्ति सिंह	अभीजीत सिंह	सुरेश कुमार सिंह	फैमिली सेटलमेंट
23	0951701004020789R/	PM5172425003328/	श्रीमती गायत्री देवी पत्नी जवाहिर	दिलीप सोनी	जवाहर लाल सोनी	रजि० सेल डीड
24	0951701004020789R/	PM5172425003327/	श्रीमती गायत्री देवी पत्नी जवाहिर	दिलीप सोनी	जवाहर लाल सोनी	रजि० सेल डीड
25	0951701001021398R/	PM5172425003403/	श्री श्याम सुन्दर जायसवाल पुत्र स्व० रामधनी जायसवाल	सुनील कुमार जायसवाल	श्याम सुन्दर जायस	वारिसान
26	0951701001025269R/	PM5172425003381/	संगमलाल पुत्र हरीराम	अंकित कुमार	संगम लाल	रजि० सेल डीड
27	0951701001025269R/	PM5172425003382/	संगमलाल पुत्र हरीराम	अनुभव कुमार	संगम लाल	रजि० सेल डीड
28	0951701004027047R/	PM5172425003369/	जग नरायण पाण्डेय पुत्र गिरिराज पाण्डेय	बागेश्वरी शुक्ला	धीरेन्द्र शुक्ला	रजि० सेल डीड
29	0951701007037392N/	PM5172425003400/	श्री भगवान दास पुत्र राम लोचन	विवेकानन्द	भगवान दास	वारिसान

अधिशाषी अधिकारी

नगर पालिका परिषद, बस्ती

पत्रांकः–6798B /न0पा0प0 बस्ती/कर अनुभाग/विज्ञप्ति/2024–25 दिनांकः–18.02.2025

आधार सहित फर्जी प्रमाण पत्र बनाने वाले गैंग का भंडाफोड़

11 गिरफ्तार, लैपटॉप और तकनीकी उपकरण बरामद

संवाददाता–बलरामपुर। नेपाल सीमा से सटे संवदेनशील जिले में कहीं के भी व्यक्ति का फर्जी प्रमाण पत्र तैयार कर आधार कार्ड बनाने वाले गैंग का खुलासा पुलिस ने किया है। गैंग से जुड़े 11 लोगों को गिरफ्तार कर बड़ी संख्या में लैपटाप और अन्य तकनीकी उपकरण बरामद किया है। सिद्वार्थनगर जिले का एक शिक्षामित्र भी पुलिस के हत्थे चढ़ा है, उसे बेसिक शिक्षा से बच्चों का आधार और अपार बनाने के लिए आईडी– पासवर्ड मिला था। उसका प्रयोग फर्जीवाड़ा करने वाले भी करते थे और शिक्षामित्र भी विद्यार्थियों के बजाए अन्य लोगों का आधार तैयार करता था। हरैया सतघराव थाना क्षेत्र के भड़सहिया में संचालित पाठक जनसेवा केंद्र में फर्जी आधार कार्ड बनाने की सूचना एसपी को मिली। जनसेवा केंद्र की छानबीन में बड़ा मामला सामने आया। संचालक दिनेश पाठक फर्जी अभिलेख पर आधार व अन्य प्रमाण पत्र बना रहे हैं। क्षेत्र नेपाल सीमा से सटा होने से पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाया तो कई जिलों में फर्जीवाड़ा गैंग के नेटवर्क का पता चला। आधार ही नहीं निवास, आय, जाति प्रमाण पत्र भी बनाये जाने की बात सामने आई।

एसपी ने बताया कि सिद्धार्थनगर जिले के शिक्षामित्र महेंद्र मिश्र को विभाग से विद्यार्थियों के आधार अपडेशन के लिए आईडी मिली थी। उसका इस्तेमाल फर्जी आधार बनाने में हो रहा था। उसका एक सहयोगी गिरजेश चौधरी भी पकड़ में आया जो रुपये वसूलने का काम करता था। पूछताछ में पता चला कि फर्जी आधार बनाने के लिए एक व्यक्ति से पूरा सिस्टम ही इन लोगों ने खरीदा था।

सिलिकान फिंगर इम्प्रेशन व आइरिस स्कैनर लगाकर बेबसाइट अपने सिस्टम पर ओटीपी ऑपरेटर का नाम प्रयोग करते हुए लॉग–इन कर लेते थे। पता चला कि इसके माध्यम से बिना कोई वैध दस्तावेज लिए ही प्रमाण पत्र बना लेते थे। गलत तरीके से आधार कार्ड का अपडेशन भी कर देते थे, जो काम यह लोग नहीं कर पाते थे एनीडेस्क सॉफ्टवेयर के माध्यम से सिस्टम का एक्सेस लेकर, एक्सपर्ट की मदद से काम कर लेते थे। जिसमें नेटिव नाम का एप्लीकेशन पहले से इंस्टाल था। जिसमें लॉग इन करते ही आधार अपडेशन व क्रिएशनन की बेबसाइट खुल जाती है। जिस पर फर्जी तरीके से आधार कार्ड पर अपडेट डाटा को बदल देते थे और एक कूटरचित आधार कार्ड बना देते हैं।

एसपी ने बताया कि जांच के बाद तीन मामले सामने आये जिसमें हरैया सतघरवा थाने के प्रभारी निरीक्षक अभिषेक सिंह ने तीन मुदकमें दर्ज किये और 11 लोगों को आरोपी बनाया जिसमें जिले के हरैया निवासी सिद्धार्थ सरोज, मिथुन तिवारी, रमेश तिवारी सिद्धार्थनगर जिले के गिरजेश चौधरी, महेंद्र मिश्र को गिरफ्तार किया। दूसरे मुकदमें के आरोपित दिनेश पाठक, प्रदीप पाठक निवासी पदुमचक्की भितवरिया थाना हरैया बलरामपुर, सिद्धार्थनगर के संतोष गुप्ता तथा सुनील यादव को पकड़ा गया।

इसी तरह फर्जीवाड़े मामले की तीसरी एफआईआर में शामिल थाना हरैया के गुलरिहा हिसामपुर व सिद्धार्थनगर के विनोद गिरि को एसओजी टीम ने पकड़ा। इस तरह पूरे मामले में 11 आरोपित गिरफ्तार हुए। एसपी ने कहा कि अभी आधार प्राधिकरण से पूरी डिटेल मांगी गई है उसके बाद शामिल अन्य लोगों की भी गिरफ्तारी होगी। सिद्धार्थनगर और बलरामपुर के साथ ही कई जिलों में फर्जीवाड़े गैंग के लोग सक्रिय हैं।

तीन बेटों ने मिलकर कूच डाला पिता का सिर, जमीन बेचने से नाराज थे

संवाददाता–कुशीनगर। रिश्ते को शर्मसार करने वाली एक घटना तमकुहीराज थानाक्षेत्र के नगर पंचायत तमकुहीराज के वार्ड नंबर 11 वैष्णव नगर भटवलिया नंबर 2 में घटित हुई है। जमीन बेचने से नाराज तीन पुत्रों ने रिश्ते की परवाह किए बगैर ही अपने पिता के सिर को ईंट कुचकर बर्बरता पूर्वक उसकी हत्या कर दिया। घटना के बाद आरोपी मृतक के शव को मौके पर छोड़कर फरार हो गए। घटना की जानकारी के बाद मुकामी पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज आरोपियों के खिलाफ कारवाई में जुटी हुई है। रिश्ते को कलंकित करने वाली उस घटना से स्थानीय लोग हतप्रभ है। इस घटना को लेकर क्षेत्र में तमाम तरह की चर्चाएं हो रही है। मंगलवार को नगर पंचायत तमकुहीराज के वार्ड नंबर 11 वैष्णव नगर, भटवलिया नंबर 2 में एक बेहद शर्मनाक घटना घटित हो गई। रिश्ते को तार तार करने वाली इस घटना में पिता अनीस पुत्र हलिम 55 को उसके बेटो ने जमीन बेचने पर नाराजगी जाहिर करते हुए मारना पीटना शुरू कर दिया। बेटो के मारपीट का जब पिता अनीस ने विरोध किया तो बेटे उग्र हो गए। उन्होंने उसके सिर पर ईंट से प्रहार करना शुरू कर दिया। बेटो के ईंट के प्रहार से अनीस ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस घटना की जानकारी ग्रामीणों को हुई तो मौके पर लोगो की भारी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची तमकुहीराज पुलिस शव को कब्जे में लेकर सीएचसी तमकुहीराज पहुंची। जहां जांच के बाद चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस शव को कब्जे में लेकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। इस घटना को लेकर क्षेत्र में तमाम तरह की चर्चाएं हो रही है। जमीन बेचने से नाराज पुत्रों द्वारा अपने पिता की ईंट से सिर पर प्रहार कर हत्या करने की घटना ने सभी लोगों को झकझोर दिया है। इस संबंध में कस्बा चौकी प्रभारी संदीप सिंह ने बताया कि आरोपियों के धर पकड़ के लिए छापेमारी की जा रही है। शीघ्र ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सवर्ण आर्मी ने ज्ञापन देकर की कार्रवाई की मांग

संवाददाता–श्रावस्ती। प्रतापगढ़ जिले में किशोरी के अपहरण व सवर्ण आर्मी के कार्यकर्ताओं पर हुई कार्रवाई के विरोध में ज्ञापन सौंपा। जिसमें सवर्ण आर्मी कार्यकर्ताओं के विरुद्ध दर्ज मामले वापस लेने की मांग की। साथ ही किशोरी का अपहरण करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। सवर्ण आर्मी के प्रदेश संयोजक विधि प्रकोष्ठ रत्नेश्वर पांडेय अमन की अगुवाई में मंगलवार को सवर्ण आर्मी के कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे।

जहां मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा। रत्नेश्वर पांडेय ने कहा कि प्रतापगढ़ जिले में एक किशोरी का अपहरण कर लिया गया था। पीड़ित परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। लेकिन दो महीने के बाद भी पुलिस ने न तो किशोरी को बरामद किया और न ही घटना में संलिप्त दोषियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई की गई। तब सवर्ण आर्मी के कार्यकर्ताओं ने वहां के पुलिस के अधिकारियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने की मांग की और लिखित में एक ज्ञापन भी दिया।

कार्रवाई नहीं हुई तो सवर्ण आर्मी के राष्ट्रीय महासचिव ठाकुर शिवम सिंह के नेतृत्व में थाने पर पहुंच कर फिर से कार्रवाई की मांग की। इस पर पुलिस ने राष्ट्रीय महासचिव के विरुद्ध मामला दर्ज कर दिया। प्रतापगढ़ पुलिस का यह व्यवहार ठीक नहीं है और सवर्ण आर्मी इसे सहन नहीं करेगा। दर्ज मामले को वापस लिया जाय। साथ ही पीड़ित परिवार को समय से न्याय दिलाया जाय। यदि ऐसा नहीं हुआ तो सवर्ण आर्मी के लोग देश भर में प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। इस मौके पर कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिना उपयोग के खंडहर में बदल गया 32 लाख से बना सरस हाट

संवाददाता–श्रावस्ती। किसानों को उनका उत्पाद स्थानीय आधार पर बेचने के लिए बाजार उपलब्ध के उद्देश्य से सरस हाट बनवाने गए थे। लेकिन निर्माण के बाद सरस हाट को जिम्मेदार अधिकारी भूल गए। विकास क्षेत्र सिरसिया के सहियापुर में बने सरस हाट का हाल बेहाल है। 15 लाख से बनी दुकानें और नीलामी चबूतरा खंडहर बन गया। विकास क्षेत्र सिरसिया के ग्राम पंचायत भीखपुर तराई के मजरा सहियापुर में ग्राम्य विकास विभाग की ओर से स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना के तहहत वर्ष 2007–08 में सरस हाट बनवाया गया था। जिसके निर्माण में 32 लाख रुपये खर्च किए गए थे। सरस हाट में किसानों को दुकान उपलब्ध कराने 20 कमरों निर्माण कराया गया था। इसके साथ ही नीलामी चबूतरा और शौचालय का निर्माण कराया गया था। इसके साथ ही सरस हाट की बाउंड्री भी बनवाई गई थी। जिम्मेदारों की उपेक्षा के चलते सरस हाट खंडहर में बदल चुका है। बनाई गई दुकानों के शटर और छत में लगी सरिया धीरे–धीरे गायब हो रही हैं। किसान बताते हैं कि सरस हाट का मकसद किसानों को उनके क्षेत्र में ही बाजार व्यवस्था के लिए मंडी उपलब्ध कराना था। जिससे उन्हें बिचौलियों से छुटकारा मिल सके। वहीं उनकी उपज का सही दाम मिले। निर्माण के 17 साल बाद भी लोकार्पण न हो पाने से शुरू नहीं हो सका है। पीने के लिए सरकारी हैंडपम्प की व्यवस्था की गई थी। अब हालत यह है कि इसका भवन ढहने के कगार पर है। प्लास्टर उजड़ रहे हैं, तो दीवारों पर भी दरारें पड़ने लगी हैं। भारतीय किसान यूनियन के ब्लॉक अध्यक्ष पंडित विजय शुक्ला बताते हैं कि सहियापुर में बना सरस हाट लोगों के लिए कारगर होता। लेकिन उपेक्षा के चलते उसका संचालन ही नहीं शुरू। कई बार एसडीएम व जिलाधिकारी को शिकायती पत्र दिया है और सरस हाट शुरू कराने की मांग की है। लेकिन अभी तक कोई अधिकारी मौके पर देखने तक नहीं आया है। सरस हाट के शुरू हो जाने से स्थानीय स्तर पर लोगों को इसका लाभ मिलेगा। स्थानीय स्तर पर बाजार लगेगी। इससे लोगों को रोजगार मिलेगा तो वहीं अन्य लोगों को खरीदारी में सुविधा हो जाएगी। लेकिन ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सहियापुर का सरस हाट चले तो किसानों को फायदा होगा।

विजय शुक्ला ने बताया कि सहियापुर के सरस हाट से आस पास के गांवों के किसानों को भी फायदा मिलेगा और किसान मंडी से सीधे जुड़ जाएंगे। इससे किसानों को उपज का उचित मूल्य मिलेगा। लेकिन जब से निर्माण पूरा हुआ है। तब से जिम्मेदार लोग सरस हाट की ओर देखने तक नहीं आए। 17 साल से सरस हाट की साफ सफाई तक नहीं कराई गई है।

स्कूल से लौटते समय रास्ते में ठोकर खाकर गिरा छात्र, मौत

संवाददाता–बहराइच। 9वीं कक्षा के छात्र की मौत हो गई। वह स्कूल से पैदल घर लौट रहा था। रास्ते में ठोकर लगने से सड़क पर गिर गया। जानकारी होने पर घरवाले उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घटना रिसिया थाना के समसा तरहर गांव की है। गांव निवासी सोनू चौहान (14) गांव के ही स्कूल में पढ़ता था। छुट्टी होने के बाद वह घर लौट रहा था। रास्ते में सड़क पर गिरकर घायल हो गया। अस्पताल में उसकी मौत हो गई। चाचा अनिल ने बताया स्कूल में 10वीं कक्षा की फेयरवेल पार्टी थी। इसमें शामिल होने के बाद सोनू घर लौट रहा था। एक बहन और तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। वह पढ़ाई में होनहार था। बताया कि पिता लवकुश राजगीर मिस्त्री हैं। बेटे की मौत से मां निर्मला रो–रोकर बेसुध हो गई। थानाध्यक्ष राजनाथ सिंह ने बताया छात्र स्कूल से लौटते समय रास्ते में ठोकर लगने से गिर गया। इसके बाद उसकी मौत हो गई।

आधुनिक हों मदरसे, कामिल–फाजिल हो मान्य

संवाददाता–देवरिया। अनुदान और मान्यता के अभाव में देवरिया के दर्जनों मदरसे बंदी की कगार पर हैं। कई मदरसों में गणित–विज्ञान की पढ़ाई रुक गई है। कुछ मदरसा संचालक चंदा मांग कर और इधर–उधर के जुगाड़ से इन विषयों की पढ़ाई करा रहे हैं। देवरिया में संचालित मदरसों को कामिल और फाजिल स्तर की मान्यता ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय से मिलनी चाहिए। यूजीसी से मान्यता के अभाव में कामिल व फाजिल की डिग्री को सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक घोषित कर दिया है। इसके चलते मदरसों में पढ़ने वाले बच्चे आलिम की पढ़ाई पूरी करने के बाद दोराहे पर खड़े हैं। मदरसा आधुनिक शिक्षक मोहम्मद जिकरुल्लाह कहते हैं कि केंद्र और राज्य से मिलने वाली मदद बंद हो जाने से आधुनिक शिक्षक भुखमरी की कगार पर हैं। वह पढ़ाने का कार्य छोड़कर दूसरा काम अपना रहे हैं। मदरसा में गणित पढ़ाने वाले अख्तर अली कहते हैं कि आधुनिकीकरण योजना से मदरसे के बच्चे भी गणित, विज्ञान, हिंदी और अंग्रेजी की पढ़ाई करते थे। योजना बंद हो जाने से शिक्षकों को मानदेय नहीं मिल रहा है। इससे उनके सामने रोजी–रोटी की समस्या खड़ी हो गई है। इन शिक्षकों के मदरसा छोड़ देने से बच्चे आधुनिक विषयों की पढ़ाई से महरूम हैं। मदरसा गौसिया मल्सी खास के प्रधानाचार्य सादिक अली कहते हैं कि वर्ष 2024 तक जिले से लगभग 2000 छात्र तालिब इल्म कामिल और फाजिल की पढ़ाई कर रहे थे। दोनों डिग्रियों के असंवैधानिक घोषित हो जाने से पढ़ाई करने वाले बच्चे परेशान हैं। हाफिज इरफान खान कहते हैं कि मदरसा में फाजिल की डिग्री नहीं मिलने से बच्चे मायूस हैं। हाफिज–ए–कुरान बनने के बाद भी उन्हें फजीलत की डिग्री नहीं मिल रही है। मौलाना आदिल कहते हैं कि मुंशी, मौलवी और आलिम की पढ़ाई के बाद बच्चे कामिल और फाजिल की पढ़ाई के लिए भटक रहे हैं। हाफिज मोहम्मद जावेद कहते हैं कि जब तक मदरसा में पढ़ने वाले बच्चों को कामिल फाजिल की डिग्री नहीं मिलेगी, उनको दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। शिक्षक सरफराज अहमद कहते हैं कि उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद अपनी परीक्षाओं को यूपी बोर्ड से पहले करा लेता है, लेकिन रिजल्ट, अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र देने में उसे 5 से 6 महीने लग जाते हैं। इसका खामियाजा छात्र–छात्राओं को उठाना पड़ता है। उनकी पढ़ाई एक या दो साल तक बाधित हो जाती है।

उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद लखनऊ की ओर से प्रदेश भर के मदरसों में संचालित मुंशी, मौलवी को हाईस्कूल और आलिम की डिग्री को इंटर के समकक्ष माना गया है। सरकार से इसको मान्यता भी मिली है मगर पासपोर्ट बनवाने के दौरान इसे फर्जी बताकर इनकार किया जाता है। इस बारे में देवरिया जिले के मदरसा शिक्षक शमशीर अहमद बताते हैं कि दोनों डिग्रियों को उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकार से अप्रूवल मिला हुआ है। बावजूद इसके पासपोर्ट बनाने वाले लोग मुंशी और मौलवी की डिग्री को फर्जी बताकर पासपोर्ट बनाने से इनकार करते हैं। कई बार पासपोर्ट बनवाने को इच्छुक अभ्यर्थी मदरसे से मुंशी और मौलवी की डिग्री का शासनादेश भी मांग कर ले जाते हैं। काफी परेशानियों के बाद इनका पासपोर्ट बनता है।

देवरिया जिले के अनुदानित मदरसों में पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं को ड्रेस, जूता–मोजा, कॉपी और किताब मिलता रहा है। लेकिन अब यह बंद है। इस बारे में मदरसा लिपिक फैजुल हक कहते हैं कि वर्ष 2018 से पहले अनुदानित मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों को ड्रेस और जूता–मोजा की आपूर्ति बंद कर दी गई, जबकि मदरसों में यतीम और गरीब घरों के बच्चे ही पढ़ने आते हैं।

इन बच्चों को ड्रेस और जूता–मोजा नहीं मिलने से उनमें मायूसी छाई रहती है। सरकार से इन बच्चों को भी सामान मुहैया कराने की कई बारमांग की गई लेकिन अभी तक इस पर कोई पहल नहीं हुई। यदि इन्हें भी सहूलियत मिले तो इससे मदरसा के छात्रों के शैक्षिक स्तर में काफी सुधार होगा।

ढाबली का ताला तोड़कर हजारों का माल पार किया

संवाददाता–गोण्डा। खोड़ारे थाना क्षेत्र के रसूलपुर खान निवासी संतोष कुमार निषाद गिन्नी नगर बाजार में ढाबली पर पान व जनरल स्टोर की दुकान करता है। पुलिस को दिए तहरीर के मुताबिक मंगलवार सुबह सुबह पड़ोसी दुकानदार राजू ने फोन करके बताया कि ढाबली का ताला टूटा हुआ है। जब दुकान पर पहुचा तो दुकान का ताला तोड़कर अंदर रखा पैसा व गल्ले में रखा आठ हजार रुपए गायब थे। इस संबंध थानाध्यक्ष प्रबोध कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

आर0सी0सी0 पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मना वार्षिकोत्सव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आर0 सी0 सी0 पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ शैलेश चौधरी के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस वर्ष वार्षिक उत्सव का थीम दर्पण रखा गया, जिसका अर्थ आत्म अवलोकन से लिया गया है। कार्यक्रम की रूप रेखा विजय प्रकाश चौधरी तथा अमित शर्मा के द्वारा तैयार किया गया जो बहुत ही प्रासंगिक रहा।

कार्यक्रम में सभी कक्षा के बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम में ज्यादातर अभिभावकों ने अपनी गरिममयी उपस्थित के साथ बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में गणेश वंदना ,तेरी उंगली पकड़ कर , बापू सेहत के लिए ,शुभ दिन आयो रे, हॉरर डांस आदि प्रमुख रहा। कार्यक्रम का संचालन उत्कर्ष पांडेय तथा सकीना बानो के संरक्षण में हर्षित यादव अविरल शुक्ला, स्नेहा पटेल आयुषी, अदिति, सोनाली अमितेश, गरिमा ,खुशी, नैनसी आदि बच्चों ने संभाली।

कार्यक्रम में सौम्या, आशी, संध्या, नैन्शी, दियांश पटेल, आराध्या पटेल, रेयांश, शाशवत जियांशी, महिमा, आरजू, राधिका, खुशी, मीनाक्षी, सत्यम, अंजली, महिमा, प्रिया , शिवम्, अस्मिता, विभा, दीपक आदि बच्चों ने कार्यक्रम में भाग लेकर अपने हुनर का लोहा मनवाया। इसी क्रम में स्टूडेंट ऑफ द ईयर अविरल शुक्ला जो 11वीं के विद्यार्थी है प्रबंधक शैलेश चौधरी के द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान अभिभावको से प्रश्न भी पूछे गए तथा सही उत्तर देने वाले अभिभावक को सम्मानित किया गया। जिसमें आर्यन चतुर्वेदी के अभिभावक राकेश चतुर्वेदी तथा आयुषी वर्मा के अभिभावक श्रीमती विजय लक्ष्मी इत्यादि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की सफलता का श्रेय के० डी ० यादव, चंद्रभान चौधरी, अरविंदर,राज शुक्ला,जी०सी चौधरी, रजनीश वरुण, रश्मि सिंह, सकीना बानो ,हिमांशी , अर्चना, अखिलेश यादव,अर्जुन वरनवाल, अंशिका पाण्डेय ,महेश पाण्डेय आदि अध्यापकों को जाता है। कार्यक्रम का समापन विजय प्रकाश चौधरी के द्वारा वोट ऑफ थैंक्स के साथ हुआ।

बच्चों संग मायके गई थी पत्नी, पति ने कर ली खुदकुशी

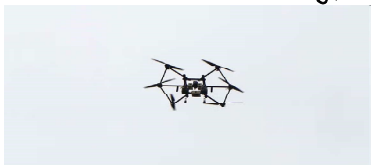

संवाददाता–गोरखपुर। परवरपार गांव निवासी सूर्यनाथ उर्फ झिनक यादव (40) ने सोमवार की देर रात आम के पेड़ पर फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना के समय पत्नी बच्चों संग मायके में थी। जानकारी मिलने पर मंगलवार को घर आकर पत्नी ने पुलिस को सूचना देकर बुलाया। शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक, सूर्यनाथ शराब पीने का आदी था। चार भाइयों में वह सबसे छोटा है। भाइयों से अलग रहकर घर पर खेती किसानी करता था। स्थानीय लोगों ने बताया कि सोमवार को पत्नी बच्चों संग मायके गई थी। उसी रात सूर्यनाथ उर्फ झिनक घर के दरवाजे के सामने स्थित आम के पेड़ पर रस्सी के फंदे के सहारे लटककर खुदकुशी कर ली। इस संबंध में गोला थाना प्रभारी वेद प्रकाश शर्मा का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत की वजह पता चल पाएगी। शव को देखकर खुदकुशी का मामला लग रहा है।

नंदबाबा दुग्ध मिशनः स्वदेशी को संवर्धन के लिए पशुपालक आमंत्रित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। नंद बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ संवर्धन योजना अंतर्गत जनपद अयोध्या में दुग्ध उत्पादको, पशुपालकों स 17.10.2023 तक आवेदन आमंत्रित किए गए थे स इस संबंध में पत्रकारों को संबोधित करते हुए जनपद के उप दुग्धशाला विकास अधिकारी,जिला समन्वयक ,नंद बाबा दुग्ध मिशन अयोध्या आशीष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्राप्त आवेदन पत्रों के सापेक्ष चयनित लाभार्थियों तथा प्रतीक्षा सूची में रखे गए आवेदको द्वारा योजना अंतर्गत लाभ प्राप्त करने हेतु गाय क्रय करने में रुचि न दर्शाए जाने के कारण आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति हेतु जनपद अयोध्या के इच्छुक दुग्ध उत्पादकों पशुपालकों से पुनः आवेदन पत्र आमंत्रित करने हेतु मिशन निदेशक, नन्दबाबा दुग्ध मिशन, लखनऊ द्वारा तिथि निर्धारित की गई है। इस योजना अंतर्गत आवेदन पत्र जमा करने की प्रारंभिक तिथि 17–02–2025 और अंतिम तिथि 24–02–2025 निर्धारित है। इस योजना के अंतर्गत दो स्वदेशी गौ पशु क्रय करने पर 40 प्रतिशत अनुदान देय है, जो अधिकतम 80 हजार निर्धारित है। श्री श्रीवास्तव ने बताया कि आवेदन पत्र जनपद अयोध्या के मुख्य विकास अधिकारी अथवा मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अथवा उप दुग्धशाला विकास अधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड डाक अथवा सीधे जमा कर सकते हैं। श्री श्रीवास्तव ने अवगत कराया कि उक्त योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी मोबाइल नंबर 6393 892638 एवं 7905651169 पर संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

डायरेक्टर पद के प्रत्याशियों का चुनाव चिन्ह आवंटित

संवाददाता–संतकबीरनगर। सहकारी गन्ना विकास समिति खलीलाबाद क्षेत्र के कोनी में डायरेक्टर पद के एक उम्मीदवार ने पर्चा उठा लिया है। अब डायरेक्टर पद के दो उम्मीदवार आमने – सामने हैं। चुनाव चिन्ह आवंटित हो गया है। इसी के साथ प्रचार भी तेज हो गया है।

डायरेक्ट्री क्षेत्र कोनी में तीन उम्मीदवारों ने पर्चा दाखिल किया था। इसमें से एक उम्मीदवार सुभाष ने पर्चा उठा लिया है। अब वर्तमान में दो उम्मीदवार हैं और दोनों उम्मीदवारों के लिए चुनाव चिन्ह आवंटित हो गया है। यहां पर डायरेक्टर चुनने के लिए 29 डेलीगेट मतदाता हैं जो आगामी 19 फरवरी को अपना डायरेक्टर चुनेंगे। डायरेक्टर पद के लिए विजय बहादुर पुत्र रामललित का चुनाव चिन्ह कार आवंटित हुआ है। दूसरे उम्मीदवार गोरखनाथ पुत्र शिवमूरत का चुनाव चिन्ह शेर है। इसी के साथ प्रत्याशियों ने मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए ताकत झोंक दी है। सहकारी गन्ना विकास समिति के सचिव बीएस दीक्षित ने बताया कि चुनाव से जुड़ी सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आगामी 19 फरवरी को चुनाव होना है। चुनाव को बाद तय होगा कि कोनी क्षेत्र का डायरेक्टर कौन है।

दिल्ली स्कूल अहफ एक्सीलेंस के छात्रों ने जेईई मेन्स में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का बढ़ाया मान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दिल्ली स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के होनहारों ने जेईई मेन्स वर्ष 24–25 में सर्वाधिक अंक लाकर विद्यालय एवं अपने परिवार को गौरवान्वित किया।

जिस उम्र में बच्चे खेलने कूदने में मन लगाते हैं उसी उम्र में मेधावी बच्चे अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने में लगे हैं।

इन छात्रों ने साबित कर दिया कि यदि सिद्धत के साथ लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किया जाए तो सफलता स्वतः आपके कदम चूमेगी।

प्रवन्धक जेपी सिंह एवं गोपाल त्रिपाठी ने मेघावी छात्रों को तिलक लगाकर माल्यर्पण कर उन्हें मिठाई खिलाकर उनके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह छात्र आने वाले समय मे विद्यालय एवं जिले का नाम रोशन करेंगे।

बताते चले कि दिल्ली स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के 12वी कक्षा में 73 में से 13 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए तो वही 10वी कक्षा के 92 छात्रों में से 38 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए। प्रवन्धक जेपी सिंह ने बताया कि इस विद्यालय से 9 छात्रो को डीयू एवं 5 छात्रों को एमयू व एक छात्र ने एनडीए परीक्षा पास की है। इसके साथ ही एक छात्र सीएपीएफ एआईआर 1 रैंक हासिल कर सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त हुआ।

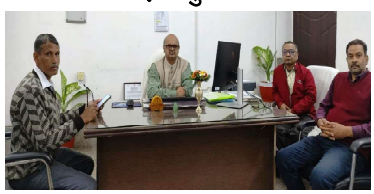

प्रधानाचार्य गोपाल त्रिपाठी ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि छात्रों को उनके रुचि के हिसाब से उन्हें बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जाए प्रबन्ध तंत्र छात्रों के उत्कृष्ट शिक्षण के लिए हर सम्भव प्रयास कर रहा है जिससे बच्चे बेहतर प्रदर्शन करें।

इस अवसर पर विद्यालय के अनूप पाण्डेय, प्रशांत त्रिपाठी,वेद प्रकाश सिंह , भूपेंद्र त्रिपाठी,अमर वाधवानी ,कैप्टन गणेश राम ,दिनेश त्रिपाठी, राजेश टांडी, प्रमोद गुप्ता ,दिनेश यादव, पूर्णिमा मिश्रा, हर्षिता पाण्डेय, दिव्या त्रिपाठी, वंदना पाण्डेय, रेनू पाण्डेय सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाएं ने भी विद्यालय के होनहारों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

रामलला दर्शन मार्ग पर उड़ रहे ड्रोन को टीम ने गिराया, ओनर की पहचान हुई

संवाददाता–अयोध्या। रामलला के दर्शन मार्ग पर उड़ रहे ड्रोन को गिराया गया है। ड्रोन एक शादी समारोह में उड़ाया जा रहा था। भीड़ वाले इलाके में ड्रोन की सूचना पर एंटी ड्रोन सिस्टम से तत्काल ड्रोन को गिरा दिया गया। घटना सोमवार की रात आठ बजे की बताई जा रही है। राम मंदिर को एंटी ड्रोन सिस्टम से लैस किया गया है। 2.5 किमी के क्षेत्र में कहीं भी उड़ रहे ड्रोन को एंटी ड्रोन सिस्टम से गिराया जा सकता है। ड्रोन कैमरा उड़ाने वाले की तलाश में पुलिस जुटी है। बम डिस्पोजल दस्ते ने ड्रोन कैमरे की सघन जांच की है। सब कुछ सामान्य पाया गया। जांच में पता चला है कि ड्रोन राम जन्मभूमि परिसर के आसपास भीड़ का फोटो और वीडियो ले रहा था जो कि एंटी ड्रोन सिस्टम के जरिए नेटवर्क खत्म होने के बाद गिरा था। इसके ओनर की पहचान हो चुकी है। मामले में एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जल्द ही ड्रोन उड़ाने वाले की भी गिरफ्तारी हो सकती है। बताया जा रहा है कि यूट्यूबर गुड़गांव का रहने वाला है। मामले में थाना राम जन्मभूमि में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे ने बताया कि एंटी ड्रोन सिस्टम से ड्रोन को गिरा दिया गया। कोई भगदड़ जैसी स्थिति नहीं बनी थी। थाना राम जन्मभूमि की पुलिस जांच कर रही है।

मोदी सरकार के केंद्रीय बजट में सभी का रखा गया ख्याल –संजय राय

संवाददाता–अयोध्या। केंद्रीय बजट की खूबियां बताने के लिए सभी शहरों में भाजपा प्रेसवार्ता कर रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय राय ने अयोध्या में प्रेसवार्ता कर मोदी सरकार के केंद्रीय बजट की खूबियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय बजट में सभी का ख्याल रखा गया है। इस बजट के माध्यम से केंद्र सरकार ने किसान, गरीब, महिला, युवा और मध्यम वर्ग सभी का ख्याल रखा है। सभी लोगों की चिंता की गई है। जहां एक तरफ बजट के माध्यम से इस देश के किसानों को समृद्ध करने के लिए बहुत सारी योजनाएं बनाई गई हैं, वहीं दूसरी तरफ देश के मध्यम वर्ग को इनकम टैक्स में छूट देकर सरकार ने मध्यम वर्ग के परचेजिंग पावर को बढ़ाने का काम किया है। देश के अंदर एमएसएमई सेक्टर काफी रोजगार का क्रिएशन करता है। एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के लिए सरकार ने बजट में कई महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाई हैं। दूसरी तरफ देश में रेल और रोड नेटवर्क के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने के लिए सरकार ने इस बजट में नए–नए विधान किए हैं।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नं0मु0 / 08 / 1999
धारा 123 (1)(2) उ0प्र0ज0वि0अधि0
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय मेंहदावल जिला संतकबीर नगर

बहाउद्दीन आदि
बनाम
ग्राम पंचायत फरदहा

मौजा फरदहा तप्पा व तहसील मेंहदावल परगना मगहर पूरव जिला संतकबीरनगर
1. भीम कुमार साकिन फरदहा तप्पा व तहसील मेंहदावल परगना मगहर पूरव जिला संतकबीरनगर (कायमी कर्ता)

विपक्षीगण

1. बहाउद्दीन 2. कमरूद्दीन पुत्रगण अब्दुर्रहमान 3. रियाज अहमद पुत्र मो0 अकरम 4. अजीमुल्लाह पुत्र सूबेदार साकिनान मौजा फरदहा तप्पा व तहसील मेंहदावल परगना मगहर पूरव जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 28–02–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 28 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

पूर्वोत्तर रेलवे ई–ऑक्शन नोटिस सं0–01/25

पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मण्डल, मण्डल रेल प्रबन्धक (वा0), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से ई–ऑक्शन आमंत्रित की जाती है–

क्र.स	लाट सं	कार्य का विवरण
1	PnU-LJN-**GD**-Toi-27-24-2 (Pay and Use-Toilets),	**गोण्डा स्टेशन** के प्लेटफार्म सं–2/3 (पश्चिम छोर) तथा प्लेटफार्म सं–4/5 (पश्चिम छोर) पर स्थित पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु।(कुल दो प्रसाधन ब्लॉक)।
2	PnU-LJN-**BV**-Toi-7-22-1 (Pay and Use-Toilets),	**बभनान स्टेशन** के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु।
3	PnU-LJN-**TLR**-Toi-13-22-2 (Pay and Use-Toilets),	**तुलसीपुर स्टेशन** के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु।

निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई–ऑक्शन में भाग ले सकते हैं। आईआरपीएस पोर्टल पर दिये गये तिथि/ समय के अनुसार सभी लॉट की ई–ऑक्शन प्रारम्भ एवं बंद होंगी। सभी लॉट के लिये ई–ऑक्शन दि0–04-03-2025, 10.00 बजे प्रारंभ होकर 04-03-2025, 10.50 बजे बंद होगी। इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। अर्नेस्ट मनी की राशि (5%) का भुगतान केवल IREPS पॉर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे–डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चैक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। विज्ञप्ति सूचना एंव निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा, नियम व शर्तो की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in (E-Auction module) पर उपलब्ध है।

मुजाधि/वाणिज्य–230 सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

दुष्कर्म के आरोपी को 11 वर्ष, पिता,भाई व मां को पांच वर्ष का सश्रम कारावास

संवाददाता–संतकबीरनगर। अवयस्क बालिका का अपहरण करके दुष्कर्म करने के आरोपी को एडीजे एवं विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट कृष्ण कुमार पंचम की कोर्ट ने दोषसिद्ध करार देते हुए 11 वर्ष के सश्रम कारावास का सजा सुनाया। कोर्ट ने आरोपी बाल गोविन्द पर सजा के अतिरिक्त विभिन्न धाराओं में 20 हजार रुपए का अर्थदण्ड भी लगाया है। अर्थदण्ड का भुगतान न करने पर आरोपी को एक वर्ष की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी । कोर्ट ने आरोपी के पिता काशी प्रसाद व भाई सुरेमन को अपहरण के आरोप में दोषसिद्ध करार देते हुए पांच वर्ष का सश्रम कारावास एवं आरोपी मां रमावती देवी को तीन वर्ष का सश्रम कारावास की सजा के साथ 14 हजार रुपए के अर्थदण्ड का भी फैसला सुनाया । कोर्ट ने अर्थदण्ड की सम्पूर्ण 34 हजार रुपए की धनराशि पीड़िता को देने का फैसला सुनाया । प्रकरण में पुलिस अधीक्षक के आदेश पर अपहरण का अभियोग पंजीकृत हुआ था । इसके साथ ही कोर्ट ने नालसा प्रतिकर स्कीम के अंतर्गत पीड़िता को 20 हजार रुपए का प्रतिकर देने का भी निर्णय दिया ।

विशेष लोक अभियोजक पाक्सो एक्ट अभिमन्युपाल , सत्येन्द्र शुक्ल , अनिल कुमार सिंह व सत्य प्रकाश गुप्ता ने बताया कि प्रकरण महुली थानाक्षेत्र के एक गांव का है । मामले में पीड़िता के पिता ने अभियोग पंजीकृत कराया था । उसका आरोप था कि दिनांक 29 मई 2015 को सुबह चार बजे उसकी 15 वर्षीय अवयस्क पुत्री घर से शौच के लिए गई थी । पहले से घात लगाए बैठे बाल गोविन्द , सुरेमन पुत्रगण काशी प्रसाद , रमावती देवी पत्नी काशी प्रसाद उसकी को बहला–फुसलाकर भगा ले गए । अवयस्क पुत्री को ले जाते हुए वादी की बहू ने देखा था और घर आ करके बताया । पुलिस ने तीन आरोपियों के विरुद्ध अपहरण का अभियोग पंजीकृत किया । विवेचना के दौरान आरोपी के पिता काशी प्रसाद पुत्र हरिराम और एक अन्य आरोपी विनय यादव पुत्र चन्द्र भूषण यादव ग्राम मुड़ियारी जो दूसरे गांव का रहने वाला है के नाम की बढ़ोत्तरी करके पांच आरोपियों के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया ।

विशेष लोक अभियोजक अभिमन्युपाल ने बताया कि एक आरोपी विनय यादव के लगातार अनुपस्थित रहने के कारण पत्रावली अलग कर दी गई । एडीजे व विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट कृष्ण कुमार पंचम की कोर्ट ने सुनवाई के पश्चात आरोपी बाल गोविन्द को अपहरण व दुष्कर्म के आरोप में दोषसिद्ध करार देते हुए 11 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई । जबकि उसके पिता , मां व भाई को अपहरण के आरोप में दोषसिद्ध करार दिया ।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं– 275/2023
मन्दाकिनी गुप्ता –सायलान
1. मन्दाकिनी गुप्ता पत्नी स्व0 अरविन्द कुमार गुप्ता उम्र 33 वर्ष 2. उत्तम पुत्र स्व0 अरविन्द कुमार गुप्ता उम्र 9 वर्ष 3. कु0 आस्था पुत्री स्व0 अरविन्द कुमार गुप्ता उम्र 6 वर्ष नावालिग वली श्रीमती मंदाकिनी गुप्ता माता पत्नी अरविन्द कुमार गुप्ता निवासीगण साकिनान ओड़वारा पो0 ओड़वारा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती पिन–272001

तारीख पेशी 08–03–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 08–03–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्आलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 893/2015

गनपत आदि
बनाम
पवन आदि

1/1 कुसुम उम्र लगभग 66 वर्ष पत्नी पवन 1/2 अंकुर अग्रवाल उम्र लगभग 41 वर्ष पुत्र पवन 1/3 मयंक गाडिया उम्र लगभग 39 वर्ष पुत्र पवन निवासी नई बाजार पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 20–02–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 20 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबावदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत– श्रीमान अष्टम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मुतफरिका नम्बर–131/2022

ठाकुर राम जानकी
बनाम
आत्माराम आदि

1. आत्माराम पाण्डेय पुत्र रामकरन 2. संतोष पुत्र आत्माराम ग्राम भिटनी तप्पा मुरादपुर हाल मुकाम हरिहरपुर तप्पा अवराडाड़ परगना महुली पूरव तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीर नगर 3/1 श्रीमती भुटुरा देवी पत्नी हीरालाल 3/2 इन्द्रावती पुत्री हरिराम 3/3 शिव कुमार 3/4 प्रदीप कुमार पुगत्रण हीरालाल 3/5 कु0 सोना देवी पुत्री हीरालाल 3/6 दिलीप कुमार उम्र लगभग 15 वर्ष 3/7 विजय कुमार उम्र 12 वर्ष 3/8 संतोष कुमार उम्र लगभग 18 वर्ष अवयस्क पुत्रगण हीरालाल संरक्षिका श्रीमती भुटुरा माता स्वयं सभी निवासी ग्राम हरिहरपुर तप्पा अवराडीह परगना महुली पूरव तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीर नगर

तारीख पेशी 13–03–2025

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 13 माह 03 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

जोड़ा तलाशने में फिसड्डी साबित हो रहा नगर प्रशासन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। समाज कल्याण विभाग की ओर से 23 फरवरी को बीएसए ग्राउंड में सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित है। विभाग ने शासन से आए लक्ष्य के हिसाब से 1435 जोड़ों का विवाह कराने की रणनीति तैयार की है। इसके सापेक्ष शहर व ब्लॉक प्रशासन को जोड़ा तलाशने का जिम्मा सौंपा गया है, जिसमें नगर प्रशासन फिसड्डी साबित हो रहा है। काफी जद्दोजहद के बाद 540 जोड़े का पंजीकरण हो सका है, लेकिन नगर की खस्ताहाल व्यवस्था में इटवा कस्बा अभी तक पंजीकरण का खाता तक नहीं खोल सका है। अन्य कस्बे का भी हाल संतोषजनक नहीं है। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनांतर्गत जनपद में सामूहिक विवाह कार्यक्रम होना है। इस कार्यक्रम में 1435 जोड़े का विवाह कराने का लक्ष्य तय है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जिला प्रशासन के निर्देश पर नगर पंचायत, नगर पालिका प्रशासन व ब्लॉकों को लक्ष्य सौंपा गया है। इस लक्ष्य के सापेक्ष अभी तक 540 जोड़ों का पंजीकरण विभाग के पोर्टल पर हो सका है। इसमें ब्लॉक क्षेत्र की संख्या सर्वाधिक है। पंजीकरण में शहर प्रशासन फिसड्डी साबित होता नजर आ रहा है। पंजीकरण का हाल यह है कि कई नगर प्रशासन दहाई का भी संख्या पार नहीं कर पाए हैं। नगर पंचायत इटवा को 25 लोगों के विवाह पंजीकरण का लक्ष्य सौंपा गया है, लेकिन अभी तक एक भी पंजीकरण नहीं हो सका है। यही हाल शोहरतगढ़ व बढ़नी नगर पंचायत का है। इन दोनों नगर पंचायत ने अभी तक सिर्फ एक–एक पंजीकरण किया है। इसी तरह भारतभारी, उस्का बाजार दो–दो, कपिलवस्तु तीन, बांसी चार, डुमरियागंज छह, बिस्कोहर आठ व नौगढ़ नगर पालिका ने 10 पंजीकरण किया है। यह पंजीकरण उम्मीद से काफी कम है। एमपी सिंह, समाज कल्याण अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनांतर्गत 23 फरवरी को बीएसए ग्राउंड में सामूहिक विवाह कार्यक्रम होना है। विवाह में अधिक से अधिक जोड़ों को योजना का लाभ पहुंचाने के लिए ब्लॉकों व नगर प्रशासन को लक्ष्य सौंपा गया है। अभी तक 540 पंजीकरण हो सका है। पंजीकरण में नगर प्रशासन की स्थिति संतोषजनक नहीं है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सप्तम अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–488/2021

पाटन
बनाम
सिराज अहमद

1. सिराज अहमद उम्र लगभग 42 वर्ष पुत्र अब्दुल हई साकिन पटवरिया तप्पा सगरा परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 11–03–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 11 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com